फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 309 प्रभात जयपुर, रविवार 11 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Come to the Okavango... Paradise

He gave up but first he smiled. The famous African smile, a smile that starts in the heart & spreads all over the body and shines out of the face.

Calm and Alert

Weird Weather Keeps Butterflies Aflutter Longer | Erratic weather adds a layer of complexity

भारत, पाकिस्तान और नेपाल के पश्चिमी हिमालय के भाग में रहने वाले लोग, नर ''चीर फैज़ेंट'' की विशिष्ट ''मेटिंग कॉल'' सुनकर समझ जाते हैं कि बसंत आ गया है। तथापि, मादा को आकर्षित करने वाली यही ''कॉल'' इनके लिए बड़ा खतरा भी है। इससे शिकारियों को पक्षियों की लोकेशन का पता चल जाता है। इसके अलावा कई अन्य खतरे भी हैं जिनसे नेपाल के पश्चिमी हिमालय में इन पक्षियों की आबादी पर फर्क पड़ा है। ऑर्निथोलॉजिकल साईन्स जर्नल में छपे शोध के प्रथम लेखक हरी बसनैंट ने कहा, ''हमने सूदूर वैस्टर्न नेपाल में लोगों को चीर फैज़ेंट का शिकार करते देखा है। ये चिड़ियाँ ऐसी जगह रहना पसंद करती हैं जहां लोग पशुओं के चारे के लिए घास व झाड़ियाँ लेकर आते हैं। पूर्व अध्ययनों में यही बताया गया था कि, ये पक्षी धोरपाटन हंटिंग रिज़र्व क्षेत्र में ही रहते हैं, इसलिए शोधकर्ताओं को पता ही नहीं था कि, इस क्षेत्र के बाहर इनकी आबादी कितनी है। शोध के सहलेखक लक्ष्मण पौंडयाल ने बताया, ''हमने इस क्षेत्र के लोगों में इस पक्षी के बारे में रेडियो के जरिए जागरुकता भी फैलाई और आग्रह किया कि, पक्षी दिखने पर जानकारी दें। तब लोगों ने हमें इसके बारे में बताया, जिसके आधार पर हमने इनकी गणना शुरु की।'' शोधकर्ताओं ने पाया कि, यहाँ इन पक्षियों को मुख्य खतरा ट्रैपिंग, शूटिंग, अण्डों की चोरी व जंगल की आग से है। इन खतरों की पुष्टि इन्टरनैशनल यूनियन फॉर द कंज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) और नैशनल फैज़ेंट कंज़र्वेशन एक्शन प्लान (2019-2023) ने भी की है। एक्शन प्लान के अनुसार चीर फैज़ेंट नेपाल में ना केवल ''एन्डेन्जर्ड'' के रुप में वर्गीकृत हैं, बल्कि ये देश के नौ सर्वाधिक संरक्षित पक्षियों में से एक हैं। शोध के अनुसार 1990 में माओवादी विद्रोह के बाद से नेपाल में ''गन कल्चर'' बढ़ा है जिसके कारण भी इन पक्षियों के लिए खतरा बढ़ गया है। संरक्षणविदों का कहना है कि लोग इन पक्षियों को प्रोटीन के स्रोत के रुप में देखते हैं और धारणा है कि, इनका मीट अस्थमा, बुखार व शरीर के दर्द में राहत देता है। चूंकि ये पक्षी ज्यादा उड़ नहीं पाते, जमीन पर ही चलते हैं, तो जंगल में आग लगने पर इनके लिए खतरा बहुत बढ़ जाता है। चीर फैज़ेंट को यह नाम ''चीड़ पाइन ट्री'' से मिला है जिसके नीचे ये घोंसले बनाते हैं।

काफी समानताएं हैं, मध्य प्रदेश व राजस्थान में, जहां तक ''रेवड़ियाँ'' बांटने का सवाल है

जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक में, ''रेवड़ियों'' के वादों, विशेषकर वे ''रेवड़ियाँ'' जिनका लक्ष्य महिलाएं थीं, का काफी योगदान माना जाता है, कांग्रेस को जिताने में

- अब शिवराज सिंह चौहान भी हर महिला के खाते में, जो सरकार की ''लाड़ली बहन योजना'' के अंतर्गत आती है, एक हजार रूपये सीधे भेज रहे हैं।
- इस प्रकार किसान कल्याण योजना की दूसरी किश्त के रूप में हर किसान के अकाउन्ट में दो हजार रूपये भेजने की सोच रहे हैं।
- राजस्थान में कांग्रेस भी इस ''रेवड़ी संस्कृति'' में पीछे नहीं, 100 यूनिट ''फ्री'' बिजली देने का वादा कर चुकी है।
- राजस्थान की भांति मध्य प्रदेश में भी भाजपा में कई ''सशक्त'' उम्मीदवार हैं, मु.मंत्री पद के लियेः प्रदेशाध्यक्ष वी.डी. शर्मा, नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय व ज्योतिरादित्य सिंधिया।
- पर कांग्रेस में दो ही उम्मीदवार हैं, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, जैसे राजस्थान में स्पर्धा, गहलोत व पायलट के बीच में है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में ''रेवड़ी संस्कृति'' का विरोध किया है लेकिन मध्य प्रदेश में जहां चुनाव होने वाले हैं, कांग्रेस और भाजपा मुफ्त रेवड़ियां बांटने की होड़ में है।

राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ''लाडली बहन योजना'' के तहत आने वाली महिलाओं के खातों में 1000 रूपये हस्तांतरित करवाए हैं और सी.एम. किसान कल्याण के तहत किसानों के खातों में द्विवार्षिक किश्त के रूप में 2000 रूपये जमा करवाने की तैयारी है।

कांग्रेस न 100 यूनिट मुफ्त बिजली और 200 यूनिट तक आधी दर लेने का दांव खेला हे। मुफ्त रेवड़ी बांटने की संस्कृति क्षेत्रीय पार्टियों की चुनावी रणनीति में हमेशा शामिल रही है और अब भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां भी इसे अपना रहे हैं। हाल ही में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क दुर्घटना में 70 लाख रू. का राजीनामा

पाली, 10 जून (नि.सं.)। राष्ट्रीय लोक अदालत ने मोटर दुर्घटना दावा में एक सड़क दुर्घटना में 70 लाख रू. का राजीनामा कराया है। मोटर दुर्घटना दावा में पाली जिले का यह अब तक का सबसे बड़ा राजीनामा है। मामला मारवाड़ जंक्शन के समीप धुंधला गांव के रहने वाले सरकारी कर्मचारी राधेश्याम वैष्णव का है। सरकारी कर्मचारी वैष्णव को 2020 में सिरोही के पास एक चौपहिया वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसमें उनकी मृत्यु हो गई थी।

- वर्ष 2020 में पाली के धुंधला गांव के राधेश्याम वैष्णव को सिरोही में एक वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी, राष्ट्रीय लोक अदालत ने दोनों पक्षों के बीच राजीनामा करवाया है।

पीड़ित पक्ष की ओर से कोर्ट में दावा किया था। राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों के बीच राजीनामा करवाया गया और शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत के न्यायाधीश मुकेश भार्गव ने कोर्ट में पीड़ित पक्ष को एच.डी.एफ.सी. बैंक का 70 लाख रुपए का चेक सौंपा। मृतक के दो पुत्रियां और एक पुत्र है। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय ड्राइवरों के लिये भारी मार्केट है यूरोप में

यूरोप ही नहीं, जहां भी जनसंख्या में वृद्ध नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहां भारतीय युवाओ के लिए बड़ा मार्केट है

- उदाहरण के लिये पोलैण्ड को बस ड्राइवरों व हंगरी को ट्रक ड्राइवरों की भारी आवश्यकता है।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। ऐसे समय में जब विश्व की अधिकांश जनसंख्या उम्रदराज हो चुकी है या होने जा रही है, तो कई देशों को काम करने के लिए स्वस्थ युवक और युवतियों की आवश्यकता है, भले ही ऑटोमेशन सुविधाएं और आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) लोकप्रिय क्यों न हो रहा हो। भारतीय ड्राइवरों के लिए अभी दो यूरोपीय देशों से मांग आ रही है जो ऐसे ड्राइवरों को मुफ्त हवाई टिकट और आसान वीज़ा दे रहे हैं जो भारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगर ट्रम्प दोषी पाये गये तो, वोट नहीं कर सकेंगे, पर राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकेंगे

और कई अजीबोगरीब तथ्य उजागर हो रहे हैं, अमेरिकी वोटर के सोच के बारे में

- उदाहरण के लिये, दो-तीन मामलों में अधिकृत रूप से आरोपित होने के बावजूद ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पर पकड़ बरकरार है तथा एक तिहाई वोटर अभी भी उनके कट्टर समर्थक हैं।
- अगर ट्रम्प व बाइडन दोनों पुनः चुनाव लड़ते हैं तो, अमेरिका के इतिहास में सबसे वृद्ध उम्मीदवार होंगे राष्ट्रपति पद के लिये।
- और मजे की बात यह भी है कि, दोनों काफी ''अलोकप्रिय'' हैं, हालांकि अलग-अलग कारणों से।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। यह असामान्य और अप्रत्याशित है जो केवल डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका में ही संभव है। एक पूर्व राष्ट्रपति ऐसे संघीय आरोपों का सामना कर रहा है, जिनसे उसका दुबारा राष्ट्रपति पद प्राप्त करना मुश्किल है। सरकार की गोपनीय सूचनाओं से छेड़छाड़ करने के आरोपों पर ट्रम्प के खिलाफ क्या होगा इसका अनुमान कोई भी लगा सकता है पर यह भी देखा जा रहा है कि अब ट्रम्प की छवि को ज्यादा धक्का नहीं लगा है।

दरअसल मार्च में उन पर अभियोग आरंभ हुआ जिसमें उन्होंने कथित रूप से उन महिलाओं को गुप्त रूप से धन दिया था, जिनसे उनके संबंध थे। और एफ.बी.आई. ने उनके फ्लोरिडा स्थित घर की तलाशी ली गोपनीय दस्तावेजों से छेड़छाड़ के मामले में लेकिन इससे ट्रम्प नामांकन के लिए ज्यादा मजबूती से उभरे। इसके अलावा, ट्रम्प वर्षों से न्याय विभाग और एफ.बी.आई. की आलोचना करते रहे हैं उनका आधार मजबूत हुआ है। उनके बयान रिपब्लिकंस द्वारा दोहराए गए है। यह आंशिक रूप से तब हो रहा है जब इतने रिपब्लिकन निर्वाचित पदाधिकारियों ने अभियोग से निकलने के बाद आरामदायक महसूस किया है और न्याय विभाग पर हमला बोलते हुए यह भी झूठा आरोप लगाया है कि राष्ट्रपति बाइडन का भी इससे संबंध है।

परम्परावादी मीडिया की मदद से ट्रम्प एक समय सम्मानित रही संस्थाओं के प्रति अविश्वास का बीज बोने में सफल हुए हैं, जिससे देश ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जहां उन पर महाभियोग चल सकता है मगर फिर भी वे आधार पर मजबूत पकड़ रख सकते हैं। यह बात नैशनल पब्लिक रेडियो की एक रिपोर्ट में कही गई है। निश्चित रूप से कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'अपराधिक मामले में बरी हुए दम्पती को मुआवजा क्यों नहीं'

जयपुर, 10 जून (का.सं.)। राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर पूछा है कि आपराधिक मुकदमे में कई माह जेल में रहने के बाद बरी हुए दंपत्ति को क्यों ना पचास-पचास लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिलाए जाए। जस्टिस आशुतोष कुमार की एकलपीठ ने उत्तम चंद जैन व

- राजस्थान हाई कोर्ट ने उत्तम चंद जैन व सुनील जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को नोटिस भेजा। अपराधिक मामले में कई माह जेल में रहने के बाद जैन दम्पती हाल ही में बरी हुए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर सचिन की संभावित सियासी हलचल पर टिकी सबकी निगाह

सचिन पायलट द्वारा कोई बड़ी घोषणा करने की चर्चा है

- गुर्जर छात्रावास में स्व. राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण किया जाएगा।

दौसा, 10 जून (निसं)। प्रदेश की सियासी खींचतान के बीच आज 11 जून को सुबह 10 बजे भंडाना स्थित स्मारक पर पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के पिता, पूर्व केंद्रीय मंत्री, स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्रम में संभावित राजनीतिक हलचल पर सियासी हलकों एवं आम लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं।

कार्यक्रम के बाद सचिन पायलट सोमनाथ स्थित देवनारायण मंदिर गुर्जर छात्रावास पहुंचकर स्वर्गीय राजेश पायलट की मूर्ति का अनावरण भी करेंगे और जनसभा को भी संबोधित करेंगे। चर्चा का विषय यह है कि, क्या सचिन पायलट अपने पिता की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान, किसी नई राजनीतिक हलचल से जुड़ी गतिविधि का ऐलान कर सकते हैं? वहीं चर्चा यह भी है कि, वैसे तो हर साल राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर सचिन पायलट श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित करते हैं, लेकिन इस बार जो बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है उसका कोई विशेष महत्व है।

कहा जा रहा है कि, पायलट ने गहलोत सरकार के सामने जो मुद्दे उठाए थे उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है तथा पायलट को लेकर गहलोत मंत्रिमंडल तथा गहलोत समर्थकों की प्रतिक्रिया से भी पायलट समर्थक काफी आहत हैं। लोगों का यह भी कहना है कि, रविवार को पायलट इस कार्यक्रम में कोई तगड़ा झटका दे सकते हैं जो आगे आ रहे विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का जायका बिगाड़ सकता है। ज्ञातव्य है कि, 1998 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद से अशोक गहलोत लगातार तीन बार प्रदेश की सत्ता पर काबिज रहे और इस दौरान मुख्यमंत्री पद के लिए जो भी दावेदार सामने आए उनको राजनीतिक तौर पर दरकिनार करने में कामयाब रहे हैं। इस बार भी पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के समर्थकों ने पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग जोर-शोर से उठआई तो मुख्यमंत्री पद के लिए समर्थकों द्वारा स्वर मुखर मु.मंत्री गहलोत ने फिर इसी पैंतरे का इस्तेमाल किया। लेकिन कहा जा रहा है कि, यह पैंतरा इस बार उल्टा पड़ चुका है और सचिन पायलट पर नहीं चल पा रहा है एवं इसके कारण संगठन व सत्ता का राजनीतिक बंटवारा होना तय है। बहरहाल रविवार को स्वर्गीय राजेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

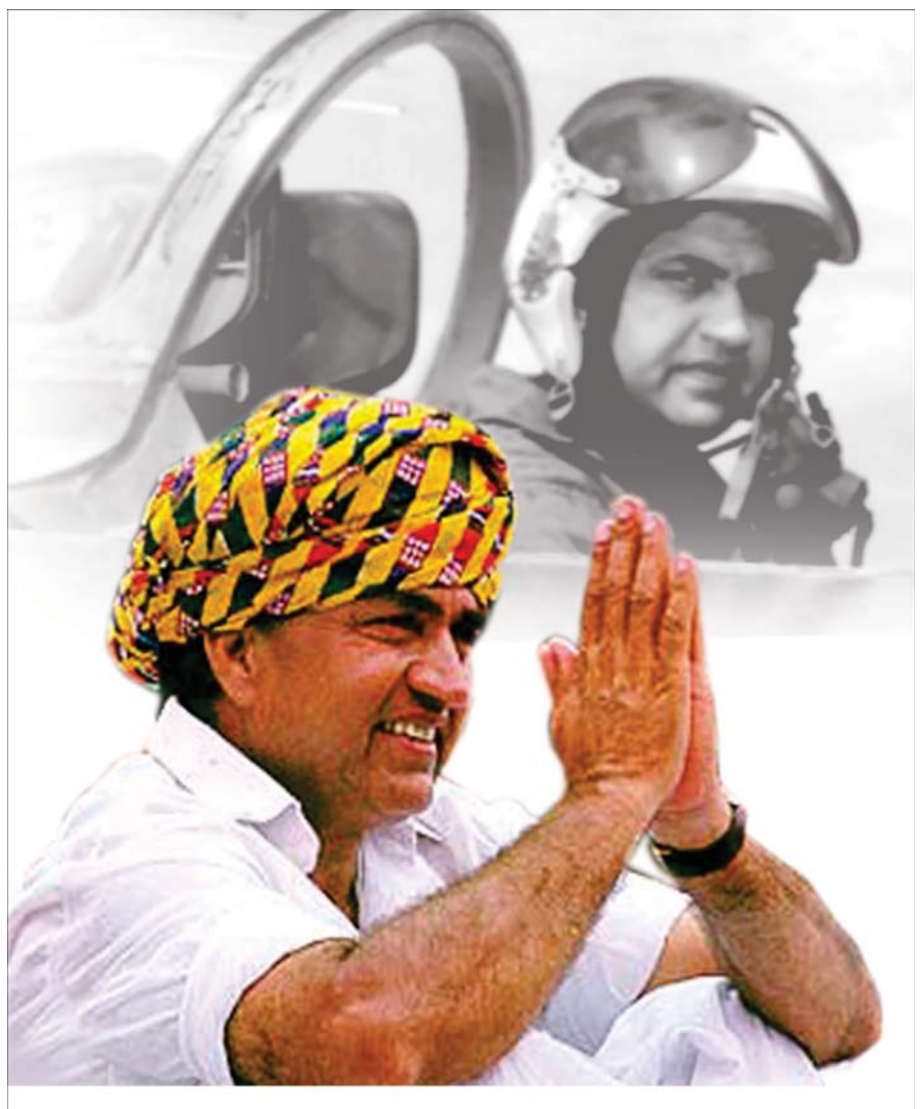

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री राजेश पायलट

10 फरवरी 1945 - 11 जून 2000